रजिस्ट्री सं० डी०(डी०)-72 REGISTERED No. D.(D.)-72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I— Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 152] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 29, 1978/श्रावण 7, 1900
No 152] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 29, 1978/SRAVANA 7, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना संख्या-19/ई० टी० सी० (पी० एन०)/78

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1978

निर्यात व्यापार नियंत्रण

विषय : 6 जून, 1966 को भारतीय रुपए का अवमूल्यन-निर्यातकों की बकाया मांगों का भुगतान।

मिसिल संख्या-5/20/78-ई-1— 6 जून, 1966 को भारतीय रुपए के अवमूल्यन के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली समस्याओं को निपटाने के लिए भारत और हंगरी के बीच 22 जुलाई, 1966 को हस्ताक्षरित नोटों के आदान-प्रदान की ओर निर्यातकों का ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. 6 जून, 1966 से पहले निर्णीत संविदाओं के सम्बन्ध में भारतीय निर्यातकों और हंगरी के आयातकों के बीच और भारतीय आयातकों और हंगरी के निर्यातकों के बीच बकाया मांगों के अंतिम भुगतान से सम्बन्धित प्रश्न सरकार के विचाराधीन है। सरकार इस बात का सुनिश्चय करना चाहती है कि इन मामलों को निपटाने के लिए हंगरी के आयातकों से भारतीय निर्यातकों द्वारा प्राप्त करने योग्य सभी बकाया मांगों पर विचार किया जाए, और इसी लिए हंगरी की पार्टी के प्रति जो बकाया मांग है उसकी सूचना भारतीय निर्यातकों को वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति और सहकारिता मंत्रालय, वाणिज्य विभाग [एक्स० (ई ई) अनुभाग को] प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तिथि से एक महीने के अन्दर समर्थन करने वाले दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ देनी चाहिए। सूचना निम्नलिखित ब्यौरे देते हुए भेजनी चाहिए :—

1. फर्म का पूरा नाम और का पता
2. संविदा की संख्या और तिथि
3. हंगरी के क्रेता का नाम और पता
4. 6-6-1966 को संविदा के निष्पादन की मात्रा
5. संविदा में उल्लिखित दर/कीमत
6. 6-6-1966 को या बाद में किए गए पोतलदानों पर देय भुगतान
7. पिछले पोतलदानों पर 6-6-1966 को पूर्णरूप में या आंशिक रूप में प्राप्त किए जाने वाले भुगतान जिन के लिए उस तिथि को या उससे बाद में दस्तावेज सौदाकारी प्रक्रिया में या परक्रामीकरण के आधार पर पहले ही भेज दिए गए थे।
8. हंगरी के क्रेताओं से वसूल की गई अवमूल्यन के अन्तर की धनराशि
9. अब भी बकाया धन राशि

का० वे० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Commerce)

Public Notice No. 49-ETC(PN)/78

New Delhi, the 29th July, 1978

EXPORT TRADE CONTROL

Subject: Devavluation of Indian rupee on the 6th June, 1966—settlement of outstanding claims of exporters.

File No. 5/20/78-EI.—Attention of the Indian exporters is invited to the Protocol signed on 22nd July, 1966 between India and Hungary to settle the problems arising as a consequence of devaluation of Indian rupee on 6th June, 1966.

2. Questions relating to final settlement of outstanding claims between the Indian exporters and Hungarian importers and vice versa in respect of contracts concluded prior to 6th June, 1966 are under consideration of the Government. Government would like to ensure that in dealing with these matters all claims outstanding in favour of the Indian exporters due from the Hungarian importers are taken into consideration and, therefore, the Indian exporters should intimate to the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation, Department of Commerce [E.C.I.E.) Section] any claim that may be outstanding against the Hungarian party, with the supporting documentary evidences within one month from the date of issue of this Public Notice. The information should be furnished giving the following details :—

1. Full Name and address of the firm.
2. Contract No. and date.
3. Name and address of the Hungarian buyer.
4. The extent of performance of the contracts on 6.6.1966.
5. The rate/price mentioned in the contract.
6. Payments due on shipments effected on or after 6.6.1966.
7. Payments due in full or in part on the 6.6.1966 on earlier shipments for which documents were on or after that date in the process of negotiation or were sent already on collection basis.
8. Amount of devaluation difference realised from Hungarian buyers.
9. Amount still outstanding.

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports & Exports

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1978